वाहन चोर और चेन स्नैचर गैंग के मास्टरमाइंड समेत तीन गिरफ्तार

आरोपियों ने पूछताछ में जयपुर में 7 वाहन चुराना कबूल किया

जयपुर (कासं)। महेश नगर थाना पुलिस ने कुख्यात वाहन चोर और चेन स्नैचर अपराधी ऋषिराज मीणा गैंग के मास्टरमाइंड सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चुराई गई बोलेरो, थार जीप सहित स्कूटी बरामद की गई है।

डीसीपी (साउथ) मृदुल कच्छावा ने बताया कि गिरोह मास्टरमाइंड लेखराज मीणा (22) निवासी जमवारामगढ़ सहित छोटू राम रैगर (28) निवासी घाट झारेडा और चोरी के वाहन खरीदने वाले चैन सिंह (40) निवासी फागी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पूछताछ में जयपुर की सात वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है। कार्रवाई में कांस्टेबल भीम सिंह और देवराज की अहम् भूमिका रही।

महेश नगर पुलिस ने कुख्यात वाहन चोर और चेन स्नैचर अपराधी ऋषिराज मीणा गैंग के मास्टरमाइंड सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

कार चोरी के मामले में महिला गिरफ्तार

जयपुर। सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार चोरी के मामले में आरोपित महिला को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर चुराई गई कार भी बरामद कर ली गई है।

थानधिकारी जय प्रकाश पूनियां ने बताया कि गिरफ्तार महिला रितु चंचलानी (58) मकान संख्या ए-381, मालवीय नगर की रहने वाली है। पुलिस ने उसे सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल पर कॉल डिटेल्स के आधार पर गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला के कब्जे से चोरी की एटिऑस कार बरामद की गई है।

खड़े कंटेनर में से 456 कार्टन चोरी

जयपुर। हरमाड़ा इलाके में चोर एक कंटेनर में माल से भरे 456 कार्टन चुराकर ले गए। पुलिस ने बताया घटना 18 जनवरी की रात की है। हिंदुस्तान लीवर कंपनी के प्रोडक्ट से भरा एक कंटेनर सनसिटी के सामने सड़क किनारे खडा हुआ था। चोर रात के समय कंटेनर की सील तोड़कर माल से भरे 456 कार्टन चुरा ले गए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

इंदिरा बाजार में प्राचीन शिव मंदिर टूटने पर हंगामा, लोगों में आक्रोश

पुलिस का कहना है कि अलसुबह पिकअप गाड़ी को पीछे लेने के दौरान मंदिर क्षतिग्रस्त हुआ था

इंदिरा बाजार में शिव मंदिर क्षतिग्रस्त करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर लोगों ने धरना दिया।

जयपुर (कासं)। अजमेरी गेट के पास इंदिरा बाजार में सोमवार सुबह प्राचीन शिव मंदिर टूटने पर पूरे इलाके में तनाव का माहौल हो गया। मौके पर पहुंचे कोतवाली एसीपी सुरेश सांखला ने बताया कि घटना सुबह 5 बजे की है। जहां एक पिकअप गाडी के बैक लेने के दौरान प्राचीन मंदिर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मंदिर के पुजारी ने मंदिर टूटने का विरोध किया तो मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से समझाइश की।

इसी दौरान कई हिंदूवादी संगठन मौके पर पहुंच गए और प्राचीन शिव मंदिर के टूटने का विरोध किया। पुलिस ने विरोध कर रहे लोगों से समझाइश की और मंदिर के क्षतिग्रस्त हिस्से के दोबारा से निर्माण के आश्वासन के बाद ही सभी माने। घटना के बाद पुलिस ने पिकअप चालक को पकड़ लिया। पुलिस की समझाइश के बाद पिकअप चालक मंदिर का क्षतिग्रस्त हिस्सा सही करवाने पर राजी हो गया। ऐसे में मंदिर का पुनः जीर्णोद्धार होगा। जानकारी में सामने आया है कि स्मार्ट सिटी विकास कार्यों के दौरान यह घटनाक्रम हुआ। फिलहाल अब मौके पर शांति है। पुलिस ने इलाके में तनाव को देखते हुए शांति व्यवस्था के लिए एहतियात के तौर पर पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात किया है। इसी प्रकार आमेर इलाके स्थित एक मंदिर में असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्तियां खंडित करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि घटना 22 जनवरी की रात ठाठर कॉलोनी स्थित पुण्डरीक जी महाराज के मंदिर की है। अज्ञात असामाजिक तत्वों ने वहां मूर्तियां खंडित की और फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

'अनुभवी वकीलों को नहीं माना जा रहा है सीनियर अधिवक्ता'

45 साल से वकालत कर रहे चौधरी देंगे धरना

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से डेजिग्नेट सीनियर अधिवक्ताओं की सूची जारी करने के बाद कुछ अनुभवी वकीलों का असंतोष सामने आया है। सूची में करीब पांच दशक से वकालत कर रहे अधिवक्ताओं को शामिल नहीं कर उनके मुकाबले नए वकीलों को सीनियर अधिवक्ता घोषित करने के विरोध में अधिवक्ता विमल चौधरी ने 25 जनवरी को हाईकोर्ट परिसर में धरना देने की घोषणा की है। उन्होंने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को पत्र लिखा है।

पत्र में कहा है कि हाईकोर्ट प्रशासन ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं की वकालत अवधि और उनके द्वारा दी गई सार्वजनिक सेवाओं को दरकिनार कर उन्हें सीनियर अधिवक्ता डेजिग्नेट नहीं किया है। जिसके चलते सभी वरिष्ठ अधिवक्ता अपमानित महसूस कर रहे हैं। ऐसे में वे 25 जनवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक हाईकोर्ट परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के पास धरने पर बैठेंगे। पत्र में यह भी कहा गया कि पिछले करीब दो साल से हाईकोर्ट में सीनियर अधिवक्ताओं को डेजिग्नेट करने की प्रक्रिया चल रही थी। इस दौरान समय-समय पर हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से मांगी गई सूचनाओं की पालना पूरे दस्तावेजों के साथ की जाती रही है। वहीं गत वर्ष 12 दिसंबर को हाईकोर्ट प्रशासन ने सभी आवेदनकर्ताओं को साक्षात्कार के लिए व्यक्तिगत रूप से बुलाया था। गत 21 जनवरी को हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने जयपुर बेंच से केवल 15 वकीलों को ही सीनियर डेजिग्नेट किया है। जबकि 45 साल से वकालत कर रहे वकीलों को इस सूची से दूर रखा है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट प्रशासन ने सोमवार को जारी अधिसूचना के तहत हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्य पीठ में 11 और जयपुर पीठ में 15 वकीलों को सीनियर अधिवक्ता डेजिग्नेट किया है। सबसे वरिष्ठ वकील अरविन्द कुमार गुप्ता हैं, जो वर्ष 1972 से वकालत कर रहे हैं। सबसे युवा संजय झंवर हैं, जो वर्ष 2002 से प्रैक्टिस में हैं।

अधिक अंक लाने के बावजूद नियुक्ति नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती-2015 में अधिक अंक लाने के बावजूद अभ्यर्थी को नियुक्ति से वंचित करने के मामले में शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा व आरपीएससी सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश नेहा सक्सेना की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने इतिहास विषय के स्कूल व्याख्याता के 1968 पदों के लिए 16 अक्टूबर 2015 को भर्ती निकाली थी। आयोग की ओर से परीक्षा परिणाम जारी कर कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी। इसके बाद आयोग ने परीक्षा का संशोधित परिणाम जारी। जिसमें याचिकाकर्ता ने 247.7 अंक हासिल किए। याचिका में कहा कि भर्ती में याचिकाकर्ता से कम अंक प्राप्त करने वाले दूसरे अभ्यर्थियों को परीक्षा के पहले परिणाम के बाद नियुक्ति दी गई, लेकिन याचिकाकर्ता के अधिक अंक होने के बावजूद से नियुक्ति से वंचित कर दिया गया।

रोडवेज के सीएमडी संदीप वर्मा सार्वजनिक खरीद-वैश्विक क्रांति सम्मेलन में बतौर वक्ता आमंत्रित

जयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संदीप वर्मा को इस वर्ष जून में यूनाइटेड किंगडम में नॉटिंघम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जा रहे 11वें सार्वजनिक खरीद-वैश्विक क्रांति सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

उन्हें "प्रोक्योरमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर" पर एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है कि कैसे पर्याप्त प्रतिस्पर्धा को सुनिश्चित किया जाये और इस बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और कार्यों को समय पर पूरा किया जा सकता है। उन्होंने इससे पहले भारत सरकार में रक्षा मंत्रालय और राजस्थान सरकार के जन स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में काम किया है, जहां उन्होंने परियोजना बाधाओं के समय पर समाधान के लिए कई कदम उठाए हैं, ताकि बड़े बुनियादी परियोजना में समय और लागत बढ़ने से बचा जा सके। उन्होंने राजस्थान में पीएचईडी परियोजनाओं में कई कदम उठाए, जिसने विभाग में मेगा परियोजनाओं में पूरे भारत में बोलीदाताओं से बढ़ती प्रतिस्पर्धा को आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप अनुबंध पुरस्कार में करोड़ों रूपये की बचत हुई। वित्त मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा हाल ही में अक्टूबर, 2021 में बृहद् परियोजना को समय पर पूर्ण करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया, जिसमें संदीप वर्मा के योगदान को भी महत्व दिया गया। ज्ञात रहे कि नॉटिंघम विश्वविद्यालय के विधि संकाय में सार्वजनिक खरीद अनुसंधान समूह (पीपीआरजी), सार्वजनिक खरीद सुधार पर यूरोप का सबसे बड़ा अनुसंधान केंद्र है। जो कि हर दो साल में एक बार यूरोप में सबसे बड़ा सार्वजनिक खरीद सम्मेलन आयोजित करता है। यह चौथी बार है जब संदीप वर्मा वर्मा को इस सम्मेलन में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया है।

डॉ. राजेन्द्र सिंह तंवर कांवटिया अस्पताल के अधीक्षक बने

जयपुर, (कासं)। चिकित्सा विभाग ने सोमवार को एक आदेश जारी कर एसएमएस मेडिकल कॉलेज के मेडिसन विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह तंवर को कांवटिया अस्पताल, शास्त्री नगर जयपुर के अधीक्षक का पदभार सौंपा है। गौरतलब है कि इस स्थान पर पदस्थापित डॉ. लीनेश्वर हर्षवर्धन को हाल ही में गणगौरी अस्पताल का अधीक्षक का पदभार सौंपा गया था।

राजस्थान में करोना से जनवरी में अब तक 154 लोगों की मौत

इनमें से जयपुर में 36 लोगों ने दम तोड़ा, सोमवार को भी 4 मौत

जयपुर (कासं)। प्रदेश में इर दिन करोना संक्रमण जानलेवा साबित हो रहा है। राज्य में इस महीने 24 जनवरी तक 154 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें जयपुर में 36 लोगों की जान जा चुकी है। राज्य में कोरोना की तीसरी लहर के पीक की तरफ बढ रहा है। इससे अब रोजाना इससे होने वाली मौतों की संख्या में वृद्धि हो रही है। वहीं पिछले तीन दिन में काफी संख्या में अस्पताल में लोग भर्ती हुए हैं। इस माह 24 जनवरी तक राज्य में 154 लोगों की करोना से मौत हो चुकी है। वहीं इस दौरान जयपुर में इनकी संख्या 36 पर पहुंच गई है। जनवरी में सबसे ज्यादा सोमवार को 23 लोगों की मौत हुई है।

विशेषज्ञों के अनुसार करोना से उन लोगों की अधिक मौत हो रही है जिन्होंने वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगवाई थी। इसके साथ ही करीब 92 लोग तो 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं। ऐसे में इस बार करोना बिना वैक्सीन वाले और अधिक उम्र के लोगों की जान ले रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन नहीं लगवाना और कोमोरबिडिटी के चलते प्रदेश में मौत के आंकड़े बढ़ रहे हैं। इधर, चिकित्सा विभाग ने जीनोम सीक्वेंसिंग भी बंद कर दी है। ऐसे में ओमिक्रोन स्ट्रेन से संक्रमित मरीजों का आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल सामान्य संक्रमित मरीजों की जिनोम सीक्वेंसिंग बंद की गई है, लेकिन कोविड-19 संक्रमण से मरने वाले या फिर गंभीर स्थिति में आईसीयू में एडमिट होने वाले मरीजों की ही जिनोम सीक्वेंसिंग की जा रही है। इससे वायरस में हो रहे बदलाव की जानकारी समय पर मिल जाएगी।

इधर राजधानी जयपुर में सोमवार को 2424 नए करोना संक्रमित मिलने के साथ ही इस बीमारी से 4 लोगों की मौत भी हुई है। राजधानी में पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा 88-88 संक्रमित वैशाली नगर व मुरलीपुरा में मिले हैं। झोटवाड़ा, मानसरोवर व अग्रवाल फार्म में 82-82, किरण पथ पर 72, कोटपूतली व विद्याधर नगर में 69-69, पत्रकार कॉलोनी में 66, मालवीय नगर में 64, गोपालपुरा व जवाहर नगर में 61-61 और प्रताप नगर में 60 नए मरीज मिले हैं।

सोनोग्राफी सेंटर्स का निरीक्षण होगा

जयपुर। राज्य में कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए चिकित्सा विभाग की टीमें सोनोग्राफी सेन्टर्स का औचक निरीक्षण करेंगी। इसके लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कन्या भ्रूण लिंग जांच के अवैध परीक्षण रोकने के लिए प्रदेशभर के सोनोग्राफी सेंटर्स का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निदेशालय स्तर पर अंतरजिला और प्रदेश स्तर पर कमेटी बनाकर सोनोग्राफी सेंटर्स का औचक निरीक्षण किया जाए, ताकि भ्रूण हत्या पर अंकुश लग सके। उन्होंने बताया कि भ्रूण लिंग जांच की सूचना देने वाले मुखबिर को राशि बढ़ाकर 3 लाख रुपए कर दी गई है। आमजन बिना किसी भय और दबाव के सूचना दे सकता है। उन्होंने सोनोग्राफी सेंटर्स का निरीक्षण नहीं करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए भी कहा।

बीओसी के डीजी सत्येन्द्र प्रकाश को चुनाव आयोग का पुरस्कार

जयपुर (कासं)। ब्यूरो आफ आउटरीच कम्युनिकेशन (बीओसी) के प्रधान महानिदेशक सत्येन्द्र प्रकाश को चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों के लिए चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना है। यह पुरस्कार कई श्रेणियों में दिया जाता है। सत्येन्द्र प्रकाश को सरकारी विभाग की श्रेणी में पुरस्कार दिया गया है।

आयोग हर साल राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर मतदाताओं को जागरुकता पैदा करने वाले प्रयासों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को पुरस्कार प्रदान करता है। आगामी 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर अशोक होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

बता दें कि बीओसी के तहत 23 क्षेत्रीय एवं 148 फील्ड यूनिट हैं जिनके जरिए वर्ष 2021-22 में मतदाताओं को जागरुक बनाने के लिए कार्यक्रम किए गए। इसके अलावा कोरोना काल में उनके नेतृत्व में सोशल मीडिया के जरिये भी मतदाता जागरुकता और शिक्षा को लेकर कार्यक्रम शुरू किए गए जिससे चुनाव में मतदाताओं की भूमिका बढ़ी।

सार-समाचार

'मेरा तिरंगा-मेरा गौरव' अभियान शुरू

जयपुर, (कासं)। मेरा तिरंगा-मेरा गौरव अभियान का आगाज सोमवार को राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया। राज्यपाल ने कहा है कि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत ऐसे कार्यक्रम करना युवाओं में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति भावना बढ़ाता है। मेरा तिरंगा मेरा गौरव अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी हो और 26 जनवरी को हर घर पर तिरंगा फहराया जाए। इससे अच्छी बात कुछ हो नहीं सकती है। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष एवं तिरंगा अभियान के संयोजक पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी मेरा तिरंगा-मेरा गौरव अभियान चलाया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष कोरोनाकाल है। ऐसे में सार्वजनिक कार्यक्रम कम हो रहे है। जयपुर शहर में हर घर पर तिरंगा लहराए। इसलिए पूरे जयपुर में 10 हजार परिवारों को निःशुल्क तिरंगा वितरित किया जाएगा। इस अभियान से जुड़ने के लिए संस्था के पंचवटी झखोरेश्वर मार्ग, बनीपार्क स्थित प्रधान कार्यालय पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अपूर्वी चंदेला ने याद किए सुखद पल

जयपुर, (कासं)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर जयपुर ओलंपियन शूटर अपूर्वी चंदेला ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनीता बोस फाफ से हुई मुलाकात को याद किया। अपूर्वी ने जून, 2018 में जर्मनी के म्यूनिक में भारतीय राजदूत की तरफ से भारतीय दूतावास में भारतीय शूटिंग टीम के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान उनसे मुलाकात की थी। इस अवसर पर अनीता बोस के पति मार्टिन फाफ भी उपस्थित थे। अपूर्वी चंदेला ने महान नेता को उनकी जयंती पर याद किया और श्रद्धांजलि दी।

पार्षद लादूराम व प्रदीप ने बांटे 26 पट्टे

जयपुर (कासं)। ग्रेटर निगम के विद्याधर नगर जोन में सोमवार को 26 लोगों को उनके भूखंड़ों के पट्टे वितरित किये गये। उपायुक्त करणी सिंह ने बताया कि यह पट्टे 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान में तैयार किये गये हैं। वार्ड 31 के पार्षद लादूराम दुलारिया व वार्ड 22 के प्रदीप तिवाड़ी ने आमजन को उनके पट्टे वितरित किये। दोनों पार्षदों ने कहा कि राज्य सरकार ने कई तरह की छूट देकर लोगों को उनके भूखंड़ों का मालिकाना हक सौंपने का काम किया है।

सड़क हादसे में घायल छात्र की मौत

जयपुर। लालकोठी इलाके में सड़क हादसे में घायल स्कूटी सवार छात्र की रविवार को मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक घटना 20 जनवरी की सुबह 11:10 बजे की एमजीडी स्कूल के गेट नंबर-2, के सामने की है, जहां स्कूटी सवार कामिल (22) निवासी पुराना जालूपुरा एलबीएस कॉलेज से परीक्षा देकर स्कूटी से घर जा रहा था। वह हेलमेट पहने बिना ड्राईविंग कर रहा था। इस दौरान उसकी स्कूटी तेज रफ्तार में रेलिंग से जा टकराई। हादसे में उसका सिर फट गया। परिजनों का आरोप है कि बाइक ने टक्कर मारी थी।

कोटपूतली में होमगार्ड ने अफसर के हस्ताक्षर करके लोगों के चालान काटे, बिफरे लोगों ने एक घंटे तक हंगामा मचाया

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगरपालिका की कर वसूली रसीद पर 50 रुपये से लेकर 2 हजार रुपये वसूलकर काटा जा रहा है चालान

जयपुर/कोटपूतली (कासं)। कोटपूतली के मुख्य चौराहे पर सोमवार को उस वक्त भारी हंगामा हो गया, जब नगरपालिका के होमगार्ड ने अपने अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर करके कई लोगों के मास्क नहीं पहनने पर मनमुताबिक चालान काट दिये। लोग इस कार्यवाही को लेकर नगरपालिका के अधिकारी सौरभ गर्ग से बीच सड़क उलझ पड़े। करीब एक घंटे तक भारी हंगामा होने के बाद पालिका का दस्ता वापस लौट गया।

लोगों का आरोप है कि होमगार्ड्स अपनी मनमर्जी से लोगों के चालान काट रहे है, बाइक पर जा रहे ग्रामीणों की बाइक की चाबी निकालते हैं और कई बार उनका प्लग उखाड़कर जबरन चालान के नाम पर वसूली करते है। आरोप है कि मास्क नहीं पहनने और दो गज की दूरी जैसे कोविड प्रोटोकॉल के बहाने यह अवैध वसूली की जा रही है।

> ■ लोगों का आरोप है कि होमगार्ड्स ग्रामीणों की बाइक की चाबी निकालकर और प्लग उखाड़कर चालान के नाम पर जबरन वसूली करने में जुटे है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कर वसूली की रसीद पर मनमर्जी से 50 रुपये से लेकर 2 हजार रुपये तक का जुर्माना बनाया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि सरोज सैनी नाम की महिला को थमाई गई 2 हजार रुपये की इस चालान रसीद यह भी नहीं लिखा है कि आखिर 2 हजार रुपये किसी मद में लिये गये है। इतना ही नहीं सोमवार को गोपालपुरा रोड निवासी कपील शर्मा से मास्क नहीं पहनने पर 1 हजार रुपये वसूलकर रसीद थमा दी गई, लेकिन इस रसीद पर ना तो किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर है और ना ही कोई तारीख अंकित है। गौरतलब है कि दो दिन पहले भी पालिका में फार्म जमा करवाने गये एक युवक समेत पार्षद के साथ एक होमगार्ड द्वारा मारपीट कर छीना-झपटी करने का मामला सामने आया था।

कोटपूतली में होमगार्ड्स द्वारा मनमर्जी से चालान काटने से नाराज हुए लोग नगरपालिका के अधिकारी सौरभ गर्ग से उलझ पड़े और वसूली की रसीदें भी दिखाई।

डेयरी बूथ आवंटन में गहलोत सरकार का बेवजह का हस्तक्षेप अलोकतांत्रिक : पुनीत कर्णावट

जयपुर (कासं)। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में होने वाले डेयरी बूथ आवंटन में राज्य सरकार के हस्तक्षेप पर जयपुर ग्रेटर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने आपत्ति जताते हुए इसे अलोकतांत्रिक बताया है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार बेवजह स्थानीय सरकारों के अधिकार क्षेत्र में दखलन्दाजी कर रही है। जो आवंटन कमेटी बनाई है, वहां सरकारी प्रतिनिधियों की नियुक्ति करने का राज्य सरकार का निर्णय भ्रष्टाचार बढायेगा। सरकार इन नियुक्तियों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को फायदा पहुंचाना चाह रही है।

पुनीत कर्णावट ने कहा कि नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका क्षेत्र में डेयरी बूथ व पान की थड़ियों का आवंटन जनप्रतिनिधियों की लाइसेंस कमेटी करती है। इसके बावजूद गहलोत सरकार अब बेवजह शहरी निकायों में हस्तक्षेप कर अपनी मनमर्जी थोप रही है। पूरे प्रदेश में करीब 5 हजार डेयरी बूथ आवंटित होने हैं, इनमें से 500 डेयरी बूथ तो अकेले जयपुर के है। राज्य सरकार ने आवंटन कमेटी में सरकारी प्रतिनिधियों का मनोनयन करके लाइसेंस समितियों का अधिकार छीना है। जबकि निकाय क्षेत्र में संचालित डेयरी बूथों के लिए जमीन आवंटन से लेकर उनकी नियमित मॉनिटरिंग व शुल्क जमा करने की पूरी प्रक्रिया लाइसेंस समिति ही पूरी करती है। अगर सरकार की नियत में खोट नहीं है तो निगम क्षेत्र के डेयरी आवंटन प्रक्रिया में बेवजह दखल देने और कमेटी गठन में मंत्री स्तर पर निर्णय लेने की क्या मजबूरी है। पुनीत कर्णावट ने कहा कि आवेदन पत्रों में खामियां निकालकर और छंटनी के बहाने मनमाने ढंग से लोगों को अयोग्य घोषित किया जाएगा। कमेटी सदस्यों की मदद से प्रक्रिया को प्रभावित करके सैकड़ों जरूरतमंद लोगों का हकछीन कर कांग्रेसी नेताओं के चहेतों को बूथ आवंटित किए जाएंगे।

> ■ 'निकायों में डेयरी बूथ आवंटन लाइसेंस समिति करती है, तो फिर नयी कमेटी का क्या औचित्य?"